The House then adjourned at forty two minutes past eleven of the clock.

The House reassembled at twelve of the clock,

MR. DEPUTY CHAIRMAN in the Chair.

SHORT NOTICE QUESTION

New variety of coloured cotton

3. SHRI PARSHOTTAM KHODABHAI RUPALA: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether Government is aware that our agro-scientists have conducted deep research to develop a new variety of naturally coloured cotton;

(b) whether due to lack of proper coordination and marketing system, such innovative variety of naturally coloured cotton has not reached to large part of cotton growers; and

(c) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (DR. CHARAN DAS MAHANT): (a) to (c) A Statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a) Yes, Sir. Almond brown coloured cotton JCC-1 (KC 94-2) was developed by Jawaharlal Nehru Krishi Viswa Vidyalaya, Madhya Pradesh, while DDCC-1 was developed by University of Agricultural Sciences, Dharwad. One dark brown colour cotton line MSH 53 was developed by Central Institute for Cotton Research, Nagpur.

(b) and (c) The lack of assured market with matching price is the constraint to pursue cultivation of naturally coloured cotton. Suitable isolation distance to cultivate natural colour cotton to prevent contamination and deterioration of the white lustre of normal cotton dissuade fanners to take up the colour cotton cultivation. The poor fibre quality attributes, unstable colour after exposure to sunlight and significantly low yields are other problems associated with colourful cotton cultivation on a large scale.

श्री पुरूषोत्तम खोडाभाई रूपाला: उपसभापति जी, जिस बहस पर हम लड़ गए, वही बहस फिर से मुझे शुरू करने का मौका मिला, इसलिए मैं आपका आभारी हूं। माननीय मंत्री जी ने अपने जवाब में बताया कि बी.टी. कॉटन में कलर की नई वैरायटी आई है। कलर का मतलब है कि कॉटन के अपने फूल में ही कलर आ जाता है और इस वैरायटी का फायदा यह है कि कॉटन को फिर से कलर करने के लिए बहुत डाइज और बहुत कैमिकल का प्रयोग नहीं करना पड़ता है। हमारी जानकारी में अभी-अभी आया है कि इसमें इज़रायल ने आगे बहुत काम किया है और आपने अपने जवाब में भी बताया है कि अपने देश में मध्य प्रदेश के जबलपुर और उधर नागपुर, धारवाड़ के साइंटिस्टों ने इसमें कुछ अच्छा काम किया है। मेरा माननीय मंत्री जी से अनुरोध है कि कॉटन में कलर का कॉंबीनेशन बाइ ग्रोथ ही हो जाए, तो जो कैमिकल से एनवायरमेंट को बहुत बड़ा नुकसान हो रहा है या होने जा रही है, इससे हम बच सकते हैं। इसलिए कॉटन में कलर के डवलपमेंट से एनवायरमेंट की हम बहुत बड़ी सेवा कर सकते हैं। तो क्या सरकार इस विषय में आगे कुछ कार्यक्रम लेना चाहती है या उसके मन में क्या है? वह बताने का कष्ट करें।

डा. चरण दास महन्त: माननीय उपसभापति जी, देश में कुछ वाइड वैरायटीज़ हैं और कुछ ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसे कपास के पौधे हैं, जो अपने आप ही सफेद के बजाय कोई भूरे रंग का, कोई हरे रंग का कपास उत्पादित कर रहा है। इस संदर्भ में जवाहर लाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर में रिसर्च हुआ है और धारवाड़ में भी इस तरह के रिसर्च हुए हैं, मगर इसका उत्पादन बहुत कम होता है, क्योंकि हमारे किसान इसको उत्पादित नहीं करना चाहते; नंबर एक और नंबर दो, अगर इस कलर वाली कपास को धूप में रखा जाता है तो उसका कलर धीरे-धीरे कम हो जाता है और इसलिए यह सक्सेसफुल नहीं हो पा रहा है। आज की तारीख में हमारी जो जानकारी है, धारवाड़ में मात्र 50 एकड़ के क्षेत्र में यह बोई जाती है। हम लोग कोशिश कर रहे हैं कि इसका उत्पादन बढ़े और इसके लिए आईसीएआर में कॉटन रिसर्च ने लगभग 42 जर्म्स प्लाज्म को इकट्ठा किया है। इसमें तकनीकी खोज आगे जारी है। अगर हम पाएंगे कि यह कलर कॉटन हम उत्पादित कर सकते हैं, तो निश्चित रूप से यह सरकार कलर कॉटन उत्पादित करने का पूरा विचार रखती है।

SHRI D. BANDYOPADHYAY: Sir, I would like to know from the hon. Minister whether Bt. cotton, genetically modified cotton, can be replicated by the farmers themselves because every time they have to buy it from multinational companies or multinational subsidiary companies in India.

डा. चरण दास महन्त: उपसभापति जी, यह बी.टी. कॉटन के अलग से बीज मिलते हैं, जो यहीं उत्पादित होते हैं। चार ऐसे बड़े-बड़े उत्पादक लोग हैं, जिनके माध्यम से यह बीज उत्पादित किया जाता है और किसान उनको खरीद कर अपने खेतों में बोते हैं।

श्री थावर चन्द गहलोत: उपसभापति महोदय, मैं माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि बी.टी. कॉटन और अन्य क्वालिटी के कपास के उत्पादन में सामान्यतया कमी आती जा

रही है। इसके विकास की दृष्टि से अनुसंधान परिषद ने और भिन्न-भिन्न प्रकार की जो कृषि से संबंधित संस्थाएं हैं, उन्होंने समय-समय पर अनुसंधान करके क्या कुछ कार्य-योजना सरकार के समक्ष प्रस्तुत की है? मैं जानना चाहता हूं कि वे कार्य योजनाएं क्या हैं और उन कार्य योजनाओं को ध्यान में रखते हुए कपास उत्पादन में वृद्धि करने की दृष्टि से क्या कोई विशेष कार्य योजना अभियान के रूप में सरकार चलाएगी।

डा. चरण दास महन्त: माननीय उपसभापति महोदय, जैसा कि माननीय वरिष्ठ साथी गहलोत जी ने जानना चाहा है, मैं उनको यह बताना चाहता हूं कि 2001 और 2002 में जहां कपास उत्पादन का क्षेत्र 91.32 लाख हेक्टेयर था, 2011-12 में 127.78 हेक्टेयर हो गया है। इसका मतलब 33 पर्सेन्ट की वृद्धि हुई। जहां तक औसत उत्पादन का संबंध है, जो फाहा 2001-02 में 186.4 किलो प्रति हेक्टेयर होता था, वह 2011-12 में 491 किलो प्रति हेक्टेयर हुआ है। तो यह कहना है कि इसमें उत्पादन कम हो रहा है, यह उचित नहीं है। उत्पादन में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। पिछले दो-तीन वर्षों में ...**(व्यवधान)**...

श्री थावर चन्द गहलोत: सर, मंत्री जी के उत्तर में आंकड़े हैं कि 2011 में 499, 2011-12 में 491 और 2012-13 में 481, तो यह कमी दर्शाता है, लेकिन मंत्री जी कुछ और कह रहे हैं। ...**(व्यवधान)**...

श्री उपसभापति: आप बैठिए। Let him reply.

डा. चरण दास महन्त: मैंने भी यही कहा कि 2011-12 में 491 है। मैं यही कह रहा हूं। मैंने यह कहा कि बीच में मानसून में कुछ अदला-बदली होने के कारण उत्पादन कुछ कम हुआ है, उसके बारे में गंभीरता से कृषि विभाग विचार करे। ...**(व्यवधान)**...

श्री थावर चन्द गहलोत: यह हेरा-फेरी बंद करो, कार्य योजना को लागू करो।

श्री रामचन्द्र खूंटिआ: सर, मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि जितना कपास उत्पादन हमारे देश में हो रहा है, क्या यह हमारे देश की जरूरत के अनुसार पर्याप्त है? अगर यह पर्याप्त नहीं है, तो आप इसके लिए क्या कदम उठा रहे हैं? कपास की हमारे देश की आम जनता को बहुत जरूरत है और हमारे देश में millions and millions of workers are dependent on the textile industry. उनको भी कपास की जरूरत है। अगर कपास उत्पादन नहीं होगा, तो हमारे देश के millions and millions of workers will be jobless and unemployed. So, the Minister should, specifically, say कि हमारे देश की कपास की जरूरत को पूरा करने के लिए वे क्या-क्या ठोस कदम उठा रहे हैं?

डा. चरण दास महन्त: माननीय उपसभापति महोदय, देश को जितने कपास की जरूरत है, उतना उत्पादन पर्याप्त मात्रा में हो रहा है। यहां तक कि हम इसे निर्यात कर रहे हैं, इसलिए यह कहना कि यहां उत्पादन नहीं हो रहा है, यह सही नहीं है।

SHRI RAVI SHANKAR PRASAD: Sir, the hon. Leader of the Opposition, in the morning, raised a matter of great concern about the Resolution passed by the Pakistani Assembly condemning the execution of Afzal Guru and maintaining its silence as far as the attack on Indian Parliament is concerned. I appreciate that the hon. Minister of State for Parliamentary Affairs said that he also shared this concern. But what we want and what the nation wants is a very structured response from the Government of India on such a sinister Resolution being passed by the Assembly of Pakistan. I would like to know from the hon. Minister as to when the Government is going to give an answer. This is a very serious matter.

SHRI JAVED AKHTAR: Sir, I want to associate myself with it and the Government should respond to it.

SHRI RAM KRIPAL YADAV: Sir, we all want to associate ourselves with it.

SHRI RAJEEV SHUKLA: Sir, there is no difference of opinion as far as this issue is concerned. The Leader of the Opposition had proposed that there should be a structured debate on it, and the Government would respond to that. I would request the Chair to fix the time for it.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Yes, there will be a debate.

DR. NAJMA A. HEUPTULLA: Sir,...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Najmaji, you raise it after the Papers are laid. ...*(Interruptions)*... No discussion now. I cannot allow anything more on it. ...*(Interruptions)*...

DR. V. MAITREYAN: Sir, two issues were raised.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Not now. ...*(Interruptions)*... The Government has responded. Please don't do that. ...*(Interruptions)*... What is this? You are all violating the understanding. ...*(Interruptions)*... You raised it in the morning.

SHRI TIRUCHI SIVA: Sir, we raised two issues. ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: You raised it in the morning and the Minister has given an assurance. The Government will comply with that assurance. Why do you doubt that? ...*(Interruptions)*... He said that the concerned Minister would

come and respond. ...*(Interruptions)*... He will do that. Let us give the Government the time for that.

SHRI TIRUCHI SIVA: Sir, the situation is very worse. We just want to know when the Minister would be here to give the reply.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Minister, would you be able to say that?

SHRI RAJEEV SHUKLA: Sir, when the Question Hour began, I gave this assurance and since then I have been in the House. I said I will convey the feelings to the External Affairs Minister. If he wishes to make a statement, he will come and make a statement. ...*(Interruptions)*... Not even an hour has passed. So, just have patience. ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: No, no; listen to me. The Minister of State for Parliamentary Affairs can only say this much. But he will convey to the Minister of Parliamentary Affairs the feelings of the House and I am sure the Minister for External Affairs will respond. ...*(Interruptions)*... हो जाएगा, आप बैठिए। Please sit down. Dr. Heptulla, what do you have to say? ...*(Interruptions)*... Shri Tiruchi Siva, you got the reply. Government will come back to you. You are a very senior Leader and I am helpless before you.

DR. NAJMA A. HEPTULLA: Sir, thank you very much for being helpless.

DR. V. MAITREYAN: Before this, Government was only helpless. Now, you are also helpless.

DR. NAJMA A. HEPTULLA: Sir, before me, he is helpless.

RE. CONFERMENT OF BEST PARLIAMENTARIAN AWARDS

DR. NAJMA A. HEPTULLA (Madhya Pradesh): Sir, every day in the House we face important issues, issues that we are concerned, agitated. But, today I am very happily raising an issue of great pride for Rajya Sabha that this year, Rajya Sabha has nominated our two eloquent, hon. Members of the Rajya Sabha as the Best Parliamentarians of this year, Shri Arun Jaitley for 2010, and Dr. Karan Singh for 2011. It is a great privilege for our House to have two eminent, eloquent Members of the House, and the whole House is rejoicing.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The whole House is one with you in congratulating Shri Arun Jaitley and Dr. Karan Singh.